RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 287
दि. 18.02.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत-फ्रांस के बीच कोई बाउंड्री नहीं, हमारे रिश्ते समंदर से गहरे, पहाड़ से ऊंचे... मैक्रों से मुलाकात में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 से 19 फरवरी तक भारत के महत्वपूर्ण दौरे पर हैं. मुंबई में दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई है. पीएम मोदी ने कहा, हम एक ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने जा रहे हैं. हमारे रिश्ते पेशल हैं.

(जीएनएस)। मुंबई से आई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तस्वीरों ने दोनों देशों के बीच की गहरी केमिस्ट्री को साफ बयां कर दिया है. तस्वीरों में दोनों नेता बेहद गर्मजोशी के साथ हाथ मिलाते और एक-दूसरे का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं, जो केवल कूटनीति नहीं बल्कि एक मजबूत व्यक्तिगत तालमेल का भी प्रतीक है. प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात के दौरान दोनों के चेहरों पर बड़ी मुस्कान और एक-दूसरे के प्रति सम्मान साफ दिखाई दिया, जो द्विपक्षीय वार्ता के सकारात्मक माहौल को दशार्ता है. इसके कुछ देर बाद प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई. पीएम मोदी ने कहा, भारत और फ्रांस के बीच कोई बाउंड्री नहीं है. हमारे रिं श्ते समंदर से गहरे और पहाड़ से

ऊंचे हैं. हमारे बीच हो रहा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट ऐतिहासिक है.

भारत के बेहतरीन टेक-स्टार्टअप्स हम दुनिया के सामने रखेंगे-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, साल 2026 भारत-फ्रांस संबंधों के लिए एक अति विशेष वर्ष है. इसमें 'पीपल टू पीपल एक्सचेंज' और गहरे होंगे. 'इंडस्ट्री टू इंडस्ट्री पार्टनरशिप' का विस्तार होगा. जिस तरह हम भारत में जुटे हैं, उसी तरह जून 2026 में फ्रांस में 'भारत इनोवेट्स 2026' के तहत हम भारत के बेहतरीन टेक-स्टार्टअप्स दुनिया के सामने रखेंगे, जो हेल्थ, क्लाइमेट और सिक्योरिटी जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान बना रहे हैं. मैं फ्रांस और पूरे विश्व के लीडर्स, सीईओ, इन्वेस्टर्स और यूनिवर्सिटीज को आमंत्रित करता हूं. आइए, भारत के साथ मिलकर ऐसा भविष्य बनाएं जहाँ टेक्नोलॉजी मानवता की सेवा करे और प्रगति समावेशी हो. इसी भाव के साथ आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं हैं. मैं अपने मित्र का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने जिस प्रकार समय निकाला है, जिस प्रकार के उम्दा शब्द उन्होंने कहे हैं और जो विश्वास भारत-फ्रांस संबंधों को लेकर प्रकट किया है, उसके लिए एक अच्छे मित्र के रूप में और भारत-फ्रांस की अटूट मित्रता के नाते मैं उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं.

लखनऊः एयरपोर्ट पर यात्री के पास जिंदा कारतूस मिलने से हड़कंप, लाइसेंस दिखाने पर भी छोड़नी पड़ी फ्लाइट

लखनऊ , (जीएनएस)। राजधानी के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से सोमवार को सीआईएसएफ ने एक यात्री को .32 बोर के कारतूस के साथ पकड़ा तो उसे हिरासत में ले लिया। यात्री इंडिगो की उड़ान से अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ गोवा घूमने जा रहा था। सुरक्षा जांच के दौरान कारतूस मिलने पर पुलिस के हवाले कर दिया गया। हालांकि, शस्त्र लाइसेंस दिखाने पर उसे छोड़ दिया गया लेकिन इससे उसकी फ्लाइट छूट गई।

एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि कानपुर निवासी आकाश कुमार की बीती 11 फरवरी को शादी हुई थी। सोमवार को वह अपनी पत्नी के साथ लखनऊ एयरपोर्ट से दोपहर बाद करीब 3:30 बजे गोवा जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या (6ई 399) से गोवा घूमने जा रहे थे।

इसी दौरान लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान यात्री आकाश के बैग से सीआईएसएफ को .32 बोर का एक जिन्दा कारतूस मिला। इस पर सीआईएसएफ जवानों ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद सरोजनीनगर पुलिस के हवाले कर दिया। थाने में यात्री ने अपने शस्त्र का लाइसेंस मंगवा कर दिखाया। यात्री ने बताया कि कारतूस गलती से उसके बैग में चला आया था जिसके बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। हालांकि, इस मामले को लेकर एयरपोर्ट और थाने के बीच काफी समय बीत जाने के कारण

भारत और आयरलैंड ने दूरसंचार तथा उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग को और मजबूत करने हेतु नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक आयोजित की

भारतीय पक्ष का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया, आयरलैंड की ओर से नेतृत्व

आयरलैंड के मंत्री श्री जैक चैम्बर्स ने किया

बैठक में भविष्य के नेटवर्क्स, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में सार्वभौमिक, सार्थक एवं किफायती संपर्क सुनिश्चित करने हेतु रणनीतिक साझेदारी के लिए रूपरेखा तैयार की गई

केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में दूरसंचार को भारत की एआई क्रांति की नींव बताया

दूरसंचार अवसंरचना भारत के एआई विकास को मजबूती देगाः डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर सरकार ने डिजिटल परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता दोहराईः डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर

(जीएनएस)।

केन्द्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने इस बात पर बल दिया कि दूरसंचार अवसंरचना भारत के एआई इको-सिस्टम की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह संप्रभुता है। मंत्री महोदय ने रेखांकित किया कि समावेशी डिजिटल कनेक्टिविटी भारत के प्रौद्योगिकीय नेतृत्व और डिजिटल सशक्तिकरण के केन्द्र में है।

भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान

दूरसंचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित एक सत्र में मुख्य भाषण देते हुए डॉ. पेम्मासानी ने भारत की तीव्र दूरसंचार प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 2014 में 6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 100 करोड़ हो गई है, जबकि औसत मासिक मोबाइल डेटा खपत अब प्रति उपयोगकर्ता 24 जीबी से अधिक हो गई है। फाइबर बिछाने का विस्तार 42 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो चुका है और भारत ने विश्व स्तर पर सबसे तेज 5जी रोलआउट में से एक को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि भारतनेट जैसी अंतिम छोर कनेक्टिविटी पहलों में निरंतर निवेश से यह सुनिश्चित हो रहा है कि एआई-सक्षम सेवाएं ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचें, जिससे उभरती प्रौद्योगिकियों तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण हो रहा है।

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि भारत अब कनेक्टिविटी विस्तार से क्षमता संवर्धन की ओर अग्रसर है, जिसमें उच्च क्षमता वाले फाइबर बैकहॉल, कम विलंबता वाले अनुप्रयोगों के लिए एज कंप्यूटिंग, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और किफायती पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिससे टियर-2 और टियर-3 शहरों में स्टार्टअप और उद्यम नवाचार कर सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में एआई को अपनाने की गति तेज हो रही है और बड़ी संख्या में बड़े उद्यम सक्रिय उत्पादन परिवेशों में एआई का उपयोग कर रहे हैं।

विश्वास और सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने मजबूत दूरसंचार सुरक्षा ढांचे, 1,200 से अधिक संस्थानों को जोड़ने वाले एआई-सक्षम डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, एएसटीआर टूल (जिसने 86 लाख से अधिक फर्जी सिम कार्डों की पहचान कर उन्हें बंद किया है) और वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर) (जिसने 1,400 करोड़ रुपये से अधिक के धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोका है) का उल्लेख किया।

गर्मी से पहले लगेगा पाकिस्तान को झटका! भारत बंद करेगा रावी नदी का 'वॉटर टैप', क्या बदलने वाला है पूरा खेल?

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच पानी को लेकर नया मोड़ सामने आया है। इस बार मामला सिर्फ बयानबाजी का नहीं, बल्कि जमीन पर तैयार हो रहे एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का है।

मार्च के अंत तक शाहपुर कंडी बैराज पूरा होते ही रावी नदी का वह अतिरिक्त पानी, जो अब तक पाकिस्तान पहुंच जाता था, भारत रोक लेगा। ऐसे समय में जब पाकिस्तान पहले से ही सिंधु जल संधि के निलंबन से परेशान है, यह कदम उसके लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

जम्मू कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने साफ कहा है कि अब अतिरिक्त पानी पाकिस्तान नहीं जाएगा। उनका कहना है कि यह पानी सूखा प्रभावित कठुआ और सांबा जिलों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल होगा। अब तक भारत के पास पर्याप्त स्टोरेज व्यवस्था नहीं होने से रावी का अतिरिक्त पानी माधोपुर के रास्ते पाकिस्तान चला जाता था। शाहपुर कंडी बैराज के पूरा होते ही यह स्थिति बदल जाएगी।

यह परियोजना करीब 46 साल पुरानी है। इसकी परिकल्पना 1979 में की गई थी। 1982 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इसकी आधारशिला रखी थी और 1988 तक पूरा करने का लक्ष्य था। रणजीत सागर डैम 2001 में बन गया, लेकिन नीचे की ओर बनने वाला शाहपुर कंडी बैराज पंजाब और जम्मू कश्मीर के बीच विवाद के कारण अटका रहा।

2008 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया। 2013 में काम शुरू हुआ, फिर विवाद से रुक गया। दिसंबर 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार के हस्तक्षेप और 485 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के बाद काम ने रफ्तार पकड़ी। अब 31 मार्च 2026 तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अटकलों का खंडन, किसानों के हित सर्वोपरि- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

गेहूं, चावल, मक्का व डेयरी पर 'दरवाजा बंद'- किसी भी कीमत पर आयात नहीं- केंद्रीय कृषि मंत्री 'भारत नहीं झुकेगा, किसानों पर आंच नहीं आने देंगे'- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निदेशों पर सरकार अडिग- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चल रही विभिन्न अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए आज राजस्थान के जयपुर से स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया जाएगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वे किसानों के बीच भारत के कृषि मंत्री के रूप में "पूरी जिम्मेदारी" से कह रहे हैं कि किसी भी समझौते में भारतीय किसानों के हितों से समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि गेहूं, चावल, मक्का जैसी संवेदनशील फसलों पर दरवाजा बंद है, चावल उत्पादन में भारत आज दुनिया में नंबर-1 है और चीन से आगे निकल चुका है। ऐसे में किसानों को नुकसान पहुँचाने वाला कोई आयात स्वीकार ही नहीं किया गया।

भारतीय किसानों के हित सुरक्षित

सेब के मुद्दे पर उठाए जा रहे सवालों पर कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत को हर साल लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन सेब की जरूरत होती है जो अभी तुर्की और ईरान जैसे देशों से भी आता है। उन्होंने कहा कि यदि इसमें से मात्र 1 लाख मीट्रिक टन सेब अमेरिका से लिया जाए और उस पर आयात मूल्य ₹80 प्रति किलो के ऊपर ₹25 शुल्क जोड़कर कोटा तय किया जाए तो यह भारत के सेब उत्पादकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा, बल्कि 'तुर्की से लेने के बजाय कहीं और से लेने का मामूली बदलाव मात्र है।

सोयाबीन और मक्का पर उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पर कोई रियायत नहीं दी गई है और यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस शासन में 20 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों का आयात होता था जिसमें डेयरी उत्पाद भी शामिल थे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने साफ निर्देश दिए हैं कि दूध, घी, दही, पनीर सहित कोई भी डेयरी उत्पाद भारत की धरती पर किसी भी कीमत पर आयात नहीं होने दिया जाएगा, ताकि देश के दूध उत्पादक किसानों को नुकसान न हो।

कपास के मामले में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि घरेलू उत्पादन के मुकाबले उद्योगों की जरूरत अधिक होने से उद्योगों को कुछ कपास आयात करना पड़ता है जिससे कपड़ा उद्योग चल सके, रोजगार बढ़े और निर्यात बढ़े। उन्होंने बताया कि भारत का टेक्सटाइल निर्यात विभिन्न उत्पादों को मिलाकर लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का है जिसे 45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने की क्षमता है और इसके फलस्वरूप अंततः लाभ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ही मिलेगा।

उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि जीरा, मेथी, इसबगोल जैसी राजस्थान में पैदा होने वाली मसाला फसलों सहित भारतीय मसालों पर आयात की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी, बल्कि इन मसालों का निर्यात 0 फीसदी ड्यूटी पर अमेरिका जैसे बाजारों में बढ़ाने की व्यवस्था की गई है जिससे सीधे भारतीय किसानों को फायदा होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के सामने दो वादे किए थे- 'भारत को कभी झुकने नहीं दूंगा' और 'किसानों के हितों को सर्वोपरि रखूंगा, उन पर आंच नहीं आने दूंगा'- और दोनों पर हमारी सरकार मजबूती से खड़ी है।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने बारामती में लीयरजेट 45 (वीटी-एसएसके) दुर्घटना की जांच पर अद्यतन जानकारी प्रदान की

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 और आईसीएओ अनुलग्नक 13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों और अनुशंसित प्रक्रियाओं के अनुसार, 28 जनवरी 2026 को बारामती में लीयरजेट 45 विमान वीटी-एसएसके से जुड़ी दुर्घटना की विस्तृत जांच कर रहा है।

विमान में दो स्वतंत्र उड़ान रिकॉर्डर लगे हुए थे। दुर्घटना के दौरान दोनों रिकॉर्डर लंबे समय तक तीव्र गर्मी के संपर्क में रहे और आग से क्षतिग्रस्त हो गए।

एल3-कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) को एएआईबी फ्लाइट रिकॉर्डर प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है।

चुनाव आयोग ने असम में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी तैयारियों की समीक्षा की

(जीएनएस)।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने आज गुवाहाटी में आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की।

आयोग ने दो दिवसीय समीक्षा दौरे (17 और 18 फरवरी) के पहले दिन आज मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों जैसे आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा, असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के प्रतिनिधियों के साथ बात की और सुझाव मांगे।

आयोग ने प्रत्येक राजनीतिक दल के साथ बातचीत की और उन्हें अपने विचार, चिंताएं और सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य में आगामी चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आयोजित किए जाएं।

अधिकांश राजनीतिक दलों ने अनुरोध किया कि चुनाव एक ही चरण में या अधिकतम दो चरणों में कराए जाएं। राजनीतिक दलों ने बिहू त्योहार को ध्यान में रखते हुए चुनाव तिथियों का निर्धारण करने की भी मांग की।

असम में मतदाता सूचियों के विशेष संशोधन के संचालन की राजनीतिक दलों ने आम तौर पर सराहना की।

पार्टियों ने राज्य में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए सुझाव भी दिए।

राजनीतिक दलों के साथ बातचीत के बाद, आयोग ने आईजी, डीआईजी, डीईओ और एसएसपी के साथ चुनाव योजना, ईवीएम प्रबंधन, रसद, चुनाव कर्मचारियों के प्रशिक्षण, जब्ती, कानून व्यवस्था, मतदाता जागरूकता और जनसंपर्क गतिविधियों के हर पहलू पर विस्तृत समीक्षा की।

मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव संविधान, संबंधित कानूनों और चुनाव आयोग के निदेशों के अनुसार ही आयोजित किए जाने चाहिए।

सम्पादकीय

फ्रांस के साथ सहयोगात्मक मैत्री

विशिष्ट मैत्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मंगलवार को मुंबई में हुई मुलाकात अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों ही नेताओं ने दोनों देशों के संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के मुकाम तक पहुंचाया और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने बढ़ते भू-राजनीतिक उथल-पुथल के परिप्रोक्ष्य में रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने का संकल्प जो लिया है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी का यह आशावाद निर्थक नहीं है कि विश्वास और साझा विजन के आधार पर भारत और फ्रांस विशेष वैश्विक हिस्सेदारी के रूप में संबंध स्थापित कर रहे हैं और अब दोनों देश मिलकर माउण्ट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ान भरने वाला विश्व का एकमात्र हेलीकाप्टर भारत में बनाएंगे और पूरे विश्व को एक्सपोर्ट करेंगे। फ्रांस के साथ यही सहयोगात्मक मैत्री दूसरे देशों के साथ भारत की मित्रता को अलग करते हैं। भारत के साथ संबंधों में जो खुलापन फ्रांस के साथ है, वैसा तो रूस के साथ भी नहीं हो पाया है। रूस के साथ आए दिन भुगतान प्रव्रिया को लेकर दोनों देशों के अधिकारियों एवं राजनयिकों के बीच सौदेबाजी होती है। चूंकि भारत और रूस दोनों एक दूसरे की भावनाओं का सममान करते हैं और दोनों की एक-दूसरे के प्रति सद्भावना है, इसलिए मामले उलझते ही सुलझ भी जाते हैं। किन्तु फ्रांस के साथ भारत के मामले उलझते ही नहीं क्योंकि फ्रांस भारतीय शर्तो को व्यावसायिक उद्देश्य के लिए स्वीकार कर लेता है। भारत भी इस बात का आकलन करता है कि उसे जो तकनीक अपनी शर्तो पर फ्रांस से मिल रही है, वही तकनीक वह अमेरिका से उसकी शर्तो पर क्यों लें? भारत की इसी सूझबूझ का परिणाम है कि भारत और फ्रांस तकनीकी सामरिक सहयोग पर दृढ़ता से आगे ही आगे बढ़ते जा रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच व्यापारिक और सामरिक सहयोग जिस विश्वास की नींव पर टिका था अब वह कमजोर पड़ गया है क्योंकि उसमें दरार पड़ गई है। अब भारत के साथ यूरोप के देश जिस विजन पर काम करना चाहते हैं, भारत को इसी अवसर की प्रतीक्षा थी। यह वास्तविकता है कि भारत इसलिए मेक इन इंडिया को भारतीय आर्थिक जरूरतों के लिए किसी भी देश से समझौता करने को तैयार रहता है। वुल मिलाकर दोनों देशों की मैत्री वैश्विक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है।

भारत का लोहा मनवाने के ट्रैक पर पीएम मोदी, फ्रांस के साथ नया आयाम रच इस्राइल से बनेगी केमिस्ट्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। मोदी ने फ्रांस को भारत का विशेष सहयोगी बताते हुए कहा कि हमारी सहभागिता की कोई सीमा नहीं है। यह समुद्र से भी गहरी और पर्वत से भी ऊंची है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत को क्षेत्रीय चुनौतियों का 'बॉस' बनाने की प्रतिबद्धता साफ झलक रही है। उन्होंने फ्रांस राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ नए अध्याय की शुरूआत की। प्रधानमंत्री 25-26 फरवरी को इस्राइल भी जाएंगे। समकक्ष प्रधानमंत्री नेतेन्याहू से भेंट के बाद नया संदेश देंगे।

पहले बात आज फ्रांस के साथ की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देशों ने रक्षा संबंध को अगले 10 वर्ष के लिए नई ऊंचाई पर ले जाने, रणनीतिक साझेदारी को नया आयाम देने पर सहमत हुए। फ्रांस के साथ भारत ने 1998 में पहली बार रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 का मुंबई में उद्घाटन किया। नई दिल्ली में युग युगीन भारत की शुरूआत हुई। भारत ने फ्रांस के साथ 20 से अधिक सहमति और समझौतों पर हस्ताक्षर किया। बताते हैं इसे अंतिम रूप देने में विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब भारत और फ्रांस मिलकर 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत वजन में हल्के और उपयोगी हेलीकाप्टर बनाएंगे। कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयर बस एच125 हेलीकाप्टर को असेम्बल करेगी। भारत फ्रांस के साथ 114 राफेल फाइटर जेट को लेने की प्रक्रिया में कदम बढ़ा चुका है। हैमर मिसाइल को भी राफेल लड़ाकू विमान में तैनात करने तथा इसके भारत में फ्रांस के साथ मिलकर विकसित करने की सहमति बनी है। भारत और फ्रांस थल सेना के रेसीप्रोकल डिप्लॉयमेंट पर भी सहमत हुए हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत और फ्रांस सहयोगी रहे हैं। 'त्रिश्ना मिशन (पृथ्वी की सतह की इमेज के लिए)'सहयोग और साझेदारी पर सहमति बनी है। फ्रांस ने ग्रीन हाइड्रोकार्बन में काफी सफलता पाई है। इसके अलावा नागरिक क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा (छोटे रिएक्टर के विकास) के उपयोग में भी सहमति बनी है। दोनों देश एयरोनाटिक्स में स्किल सेंटर की स्थापना, स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में सहयोग समेत अन्य पर सहमत हुए हैं।

हथियारों की होड़ में भारत और पाकिस्तान

पाकिस्तान ने हाइपरसोनिक मिसाइल 'स्मैश' का परीक्षण करके

संदेश दिया है। इसकी मारक क्षमता 350 किमी तक बताई जा रही है। इसके अलावा वह घातक ड्रोन, चीन की हंगोर पनडुब्बी को अपने बेड़े में शामिल करने की योजना पर काम कर रहा है। रक्षा और सामरिक क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि पड़ोसी देश के रणनीतिकारों ने आपरेशन सिन्दूर के बाद कमियों को देखते हुए ताकत बढ़ाने की मुहिम शुरू कर दी है। भारत इसमें कहीं भी पीछे नहीं है। भारत ने चीन की सीमा के पास अग्रिम वायुसैनिक अड्डे पर राफेल लड़ाकू विमान उतारकर संकेत दे दिया है। वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों, जिनमें 18 को तैयार हालत में लेने की प्रक्रिया परवान चढ़ने की उम्मीद है। भारत हिन्द महासागर क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक निगरानी तथा ऑपरेशन के लिए फ्रांस से तकनीक सहयोग की पहल कर रहा है। दोनों देशों की नौसेनाओं में साझेदारी बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा रूस के साथ कई रक्षा सौदों पर प्रक्रिया चल रही है।

भारत-फ्रांस का साथ, दुनिया के लिए संदेश

भारत का रूस सबसे बड़ा रक्षा मामले का साझीदार देश रहा है। उच्च तकनीकी, हथियार और साझेदारी में अगुआ रहा है। फ्रांस ने भी लीक से थोड़ा आगे बढ़कर हाथ मिलाया है। यूरोपीय देशों में राष्ट्रपति मैक्रों काफी हद तक स्वतंत्र लाइन लेकर चलते हैं। फ्रांस रिश्तों के भरोसे पर जोर देता है। इस तरह से भारत ने फ्रांस के साथ विज्ञान और तकनीक, संयुक्त उद्यम, शोध समेत कई क्षेत्रों में सहमति बनाकर अपनी विविधता को मजबूत किया है। इसमें अमेरिका के लिए भी कूटनीतिक संदेश छिपा है कि हिन्द महासागरीय देश अपनी जरूरत के लिए रुकने वाला नहीं है। परोक्ष रूप से रूस के साथ संबंध, संप्रभुता और विदेश नीति में स्वतंत्रता बनाए रखने की भी झलक है।

इस्राइल की प्रधानमंत्री की यात्रा पर होगी दुनिया की निगाह

इस्राइल अभी तक एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष में फंसा है। अभी मध्य एशिया में तनाव जारी है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महीने के आखिरी सप्ताह (25-26 फरवरी) में इस्राइल जा रहे हैं। वहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतेन्याहू से होगी। नेतेन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी की केमिस्ट्री जगजाहिर है। भारत ने इस्राइल को उसके कठिन समय में मदद की है। माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। कई क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच में रक्षा क्षेत्र में मिलकर उत्पादन और रणनीतिक साझेदारी की भी शुरूआत हो सकती है। भारत रक्षा ने क्षेत्र में कई सहयोगियों के साथ अपनी निर्भरता को आकार देने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इसमें इस्राइल भी प्रमुख होगा।

इस राज्य में रमजान में मुस्लिम कर्मचारियों को ऑफिस से 1 घंटे पहले मिलेगी छुट्टी, आदेश जारी

(जीएनएस)।

बड़ी खबर तेलंगाना से है, जहां राज्य सरकार ने रमजान के पाक महीने में मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को खास छूट देने का फैसला किया है। इसके तहत वे नमाज अदा करने के लिए रोज एक घंटा पहले दफ्तर से जा सकेंगे। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया है।

आपको बता दें कि मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव के आदेशानुसार, राज्य सरकार के विभागों, शिक्षकों, संविदा व आउटसोर्सिंग स्टाफ, बोर्डों, निगमों व सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मियों को रोजे के दौरान शाम 4:00 बजे कार्यालय से जा सकते हैं। यह छूट 19 फरवरी से 20 मार्च तक लागू है (सेवा आपात स्थितियों को छोड़कर)।

शिक्षा विभाग ने भी रोजा रखने वाले छात्रों की सुविधा हेतु उर्दू माध्यम स्कूलों का समय सुबह 8:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक कर दिया है। तेलंगाना में यह एक पुरानी प्रशासनिक

'जल्दी छुट्टी' प्रथा है, जिसे लगातार सरकारों ने जारी रखा है।

भाजपा ने सरकार पर उठाए सवाल

हालांकि, इस निर्णय ने पहले भी राजनीतिक बहस छेड़ी है। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार समेत भाजपा नेताओं ने 41 दिवसीय अय्यप्पा दीक्षा या अन्य हिंदू उपवासों के लिए समान रियायतें न मिलने पर सवाल उठाया और सभी समुदायों के लिए समान व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की है। सरकार ने इसे धार्मिक दायित्वों और कार्यालयीन जिम्मेदारियों के बीच सामंजस्य बिठाने हेतु अस्थायी प्रशासनिक सुविधा बताया।

शुरूआती अनुमानों और खगोलीय गणनाओं के अनुसार, भारत में रमजान 2026 का रोजा 19 फरवरी से शुरू होने की संभावना है, हालांकि इसकी अंतिम पुष्टि 'हिलाल' यानी नया चांद दिखने के बाद ही होगी, अगर आज शाम चांद नजर आता है तो रमजान का पहला रोजा 19 फरवरी से रखा जाएगा और अगर चांद नहीं दिखता है के कैलेंडर के मुताबिक 20 फरवरी को पहला रोजा मान्य होगा।

इबादत, दान और आत्म-चिंतन का महीना है

गौरतलब है कि यह पवित्र माह इबादत, दान और आत्म-चिंतन के लिए जाना जाता है। 30 दिन तक लोग रोजा रखते हैं और महीने के अंत में ईद मनाई जाती है। सुबह फज्र से पहले सहरी लेकर, सूर्यास्त के बाद इफ़्तार तक उपवास रखा जाता है। इस दौरान व्यक्ति खुदा से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ये महीना लोगों को गरीबों की मदद करने के लिए प्रेरित करता है, इस दौरान नकारात्मक बातों, लड़ाई-झगड़ों से दूर रहने की सलाह दी जाती है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक

एआई कोई दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं।

यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथसाथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है।

कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में वृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नई-नई तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं। विशेष रूप से एआई ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराई से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम् माना जा रहा है।

इसी संदर्भ में, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआई शिखर सम्मेलन(इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआई की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना गलत नहीं होगा कि आज एआई का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक पैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिताएँ भी इसके कारण सामने आई हैं। विशेष रूप से डेटा वेंद्रों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआई आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यांम ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआई शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआई नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान वेंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रही है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी वंपनियों जैसे गूगल और माक्षोसॉफ्ट के मुख्य कार्यंकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता,

नीति-निमार्ता और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यांम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं।

16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआई शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत वृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शत्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुत्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कई विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और फ्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथसाथ एआई के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है।

इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है।

सम्मेलन में 13 देशों के लगभग 300 पवेलियन वाले एक्सपो का आयोजन भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को भी प्रर्दशित करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई के माध्यम से आम लोगों तक तकनीक के लाभ पहुँचाने, सस्ती तकनीक उपलब्ध कराने और वैश्विक असमानताओं को कम करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, बशत्रे देश निवेश बढ़ाए, प्रतिभाओं को बनाए रखे और अनुवूल तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करे।

वास्तव में, यह समागम विश्व के सबसे बड़े एआई आयोजनों में से एक माना जा रहा है और ग्लोबल साउथ में आयोजित पहली बड़ी एआई शिखर बैठक के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की भूमिका मजबूत होगी। सम्मेलन में एआई आधारित नवाचार, प्रतियोगिताएँ, हैकाथॉन तथा करोड़ों रुपये के पुरस्कार वाले कार्यांम आयोजित किए जा रहे हैं।

इससे विभिन्न देशों को उद्योग और निवेश के अवसर मिल रहे हैं, साथ ही एआई के वास्तविक उपयोग (एप्लीकेशन), स्टार्टअप सहयोग और व्यापारिक साझेदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

यदि हम यहां पर इस समिट के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें तो, इनमें ामशः समावेशी और जिम्मेदार एआई विकास (एआई सभी के लिए और अच्छे के लिए), वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना, विकसित और विकासशील देशों के बीच तकनीकी अंतर को कम करना, सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देना (स्वास्थ्य, शिक्षा, वृषि, उद्योग और पर्यावरण में सुधार), सुरक्षित, विश्वसनीय और नैतिक एआई के लिए अंतरराष्ट्रीय नीति संवाद को आगे बढ़ाना तथा भारत को वैश्विक एआई वेंद्र के रूप में स्थापित करना शामिल है।

हालाँकि, एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच एक महत्वपूर्ण मानवीय प्रश्न भी सामने आता है।

आज एआई के कारण लिखना तेज और आसान हो गया है, लेकिन इससे वास्तविक रचनात्मकता का अर्थ वुछ हद तक धुंधला पड़ने लगा है। अब लोग केवल लेख की गुणवत्ता नहीं देखते, बल्कि यह भी सोचते हैं कि उसे इंसान ने लिखा है या मशीन ने। यह सच है कि एआई द्वारा तैयार सामग्री अक्सर संतुलित और प्रभावी होती है, लेकिन उसमें वह जीवंतता नहीं होती जो किसी इंसान के अनुभव, संघर्ष और भावनाओं से आती है। एआई प्रेम, पीड़ा या संवेदनाओं की भाषा तो लिख सकती है, पर उसने स्वयं वुछ महसूस नहीं किया होता।

इसलिए जब ऐसी रचना किसी व्यत्ति के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो यह बौद्धिक नकल जैसी स्थिति भी पैदा कर सकती है। हमें यह समझना होगा कि वास्तविक सृजन केवल परिणाम नहीं, बल्कि सोचने, गलती करने, सीखने और संघर्ष करने की प्रािया भी है, जिसे एआई छोटा कर देती है। फिर भी; एआई कोई दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम इसके माध्यम से किए गए कार्य का पूरा श्रेय स्वयं लेने लगते हैं।

इसलिए यह कहना उचित होगा कि एआई सुविधा अवश्य प्रदान करती है, लेकिन वास्तविक रचनात्मकता आज भी मनुष्य के अनुभव, संघर्ष और ईमानदारी से ही जन्म लेती है।

(लेखक प्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं।)
सुनील वुमार महला

वर्ल्ड कप से बाहर होगा पाकिस्तान? भारत से हार के बाद बिगड़ा समीकरण, इस टीम की चमकेगी किस्मत!

(जीएनएस)।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की राह अब एक बेहद गंभीर मोड़ पर आ खड़ी हुई है। आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ मिली 61 रनों की करारी शिकस्त ने पाकिस्तान के गहरी को चोट पहुंचाई है। इस हार ने उनके 'सुपर-8' में पहुंचने के समीकरण को भी पेचीदा बना दिया है। अब बुधवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला पूर्व चैंपियन पाकिस्तान के

लिए 'जीवन-दान' या 'एलिमिनेशन' का फैसला करेगा।

पाकिस्तान के लिए जीत जरूरी

ग्रुप-ए की स्थिति पर नजर डालें तो टीम इंडिया 6 अंकों के साथ पहले ही सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। असली जंग दूसरे स्थान के लिए है, जहां अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सीधी टक्कर दिख रही है: अमेरिका 4 मैचों में 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इनका नेट रन रेट +0.787 है, जो काफी मजबूत है। पाकिस्तान 3 मैचों में 4 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। समस्या इनका नेट रन रेट है, जो भारत से मिली हार के बाद -0.403 पर गिर गया है।

पाकिस्तान हो सकता है बाहर?

कागजों पर पाकिस्तान की टीम नामीबिया से कहीं अधिक मजबूत नजर आती है। नामीबिया अब तक एक भी मैच नहीं जीत सका है और वह सुपर-8 की रेस से बाहर हो चुका है। हालांकि, यही बात उन्हें खतरनाक बनाती है। नामीबिया के पास खोने के लिए कुछ नहीं है और वे एक पूर्व विश्व चैंपियन को हराकर टूनामेंट का अंत यादगार बनाना चाहेंगे। यदि पाकिस्तान यहां लड़खड़ाता है, तो बिना किसी 'इफ और बट' के वे वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएंगे।

पाक की हार से किसे होगा फायदा?

अगर नामीबिया कोई उलटफेर करने में सफल रहता है, तो सबसे अधिक खुशी अमेरिकी फैंस को होगी। पाकिस्तान की हार का मतलब होगा कि अमेरिका आधिकारिक तौर पर सुपर-8 में प्रवेश कर जाएगा। नीदरलैंड्स भी तकनीकी रूप से रेस में है, लेकिन उनकी राह बेहद कठिन है क्योंकि उन्हें न केवल पाकिस्तान की हार की दुआ करनी होगी, बल्कि अपने आखिरी मैच में अजेय भारत को बड़े अंतर से हराना होगा।

कप्तान सलमान अली आगा की परीक्षा

कप्तान सलमान अली आगा के लिए यह मैच किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। अब तक टूनामेंट में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बेहद साधारण रही है। टीम इंडिया के खिलाफ मिली हार के बाद टीम का मनोबल गिरा हुआ है और वापसी के लिए उनके पास समय बहुत कम है।

पीएम मोदी के साथ कार में क्या थी वो सीक्रेट चर्चा? गद-गद हुए मैक्रों, बोले- 'जय हो'

(जीएनएस)।

मुंबई की सड़कों पर भारत और फ्रांस की दोस्ती का एक ऐसा नजारा दिखा, जिसने सबका दिल जीत लिया। अपनी तीन दिवसीय भारत यात्रा (17-19 फरवरी, 2026) के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और पीएम नरेंद्र मोदी मुंबई में मिले। दोनों नेताओं के बीच गजब की केमिस्ट्री दिखी, सिर्फ बंद कमरों में मीटिंग ही नहीं हुई, बल्कि दोनों ने एक ही कार में सफर भी किया।

इस खास पल की तस्वीरें जब मैक्रों ने सोशल मीडिया पर "खं लङ्क!" कैप्शन के साथ पोस्ट कीं, तो इंटरनेट पर इसकी चर्चा तेज हो गई। यह दिखाता है कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब सिर्फ कागजी समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और भरोसेमंद दोस्ती में बदल चुका है।

जब एक ही कार में निकले 'दोस्त'

मुंबई के ट्रैफिक और समंदर की लहरों के बीच पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों को एक साथ कार शेयर करते देखना वाकई खास था। कूटनीति की भाषा में इसे 'पर्सनल टच' कहा जाता है। मैक्रों का सोशल मीडिया पर "खं लङ्क!" लिखना भारतीय फैंस को बेहद पसंद आया।

इससे यह संदेश गया कि फ्रांस के राष्ट्रपति भारतीय संस्कृति और यहां के लोगों के साथ कितना जुड़ाव महसूस करते हैं।

मैक्रों का 'जय हो' वाला अंदाज

राष्ट्रपति मैक्रों अक्सर भारत के प्रति अपना प्यार जाहिर करते रहते हैं, लेकिन इस बार का "जय हो" ट्वीट काफी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग इसे 'सॉफ्ट डिप्लोमेसी' का बेहतरीन उदाहरण मान रहे हैं। जब कोई वैश्विक नेता स्थानीय भाषा या नारों का इस्तेमाल करता है, तो वह सीधे जनता के दिल में जगह बनाता है। मोदी और मैक्रों की इन तस्वीरों ने दिखा दिया कि दोनों के बीच का तालमेल कितना सटीक है।

यह रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं- मैक्रों

राष्ट्रपति मैक्रों ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भारत के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताते हुए इसे 'अतुलनीय भरोसा' करार दिया। उन्होंने घोषणा की कि यह साझेदारी अब एक 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' है। उनके मुताबिक, पिछले आठ वर्षों में दोनों देशों ने आपसी मजबूती और महत्वाकांक्षा के दम पर हर साल प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मैक्रों के कहा, यह रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खुलेपन और पारदर्शिता की एक ऐसी मिसाल है जो दुनिया को नई दिशा देगी।

ये भी पढ़ें: 'भारत-फ्रांस बनाएंगे एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ने वाला हेलीकॉप्टर', ढट टङ्क ने मैक्रों के साथ मुंबई में किया ऐलान

भारत-फ्रांस का रिश्ता सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं- ढट मोदी

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता अब सिर्फ सरकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 'पार्टनरशिप ऑफ द पीपल' बन चुका है। उन्होंने 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर' का जिक्र करते हुए कहा कि इनोवेशन अकेले बंद कमरों में नहीं, बल्कि मिल-जुलकर काम करने से आता है। हमारा लक्ष्य स्टार्टअप्स, छोटे उद्योगों और शोधकताओं के बीच एक ऐसा मजबूत नेटवर्क बनाना है, जो डिफेंस से लेकर क्लीन एनर्जी तक हर क्षेत्र में नए रास्ते खोले।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

नवसर्जन संस्कृति

पीलीभीत:एसपी ने जनसुनवाई में सुनी शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत,17 फरवरी,2026:जिले की जनता की समस्याओं का समाधान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। जनशिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने हेतु एसपी ने स्वयं उपस्थित होकर विभिन्न शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के सख्त निर्देश दिए। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रतीक है, बल्कि एसपी की दूरदर्शिता और जनकल्याण के प्रति समर्पण को भी दशार्ता है।

जनसुनवाई के दौरान दर्जनों ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष रखीं। इनमें पारिवारिक विवाद, भूमि हड़पने की घटनाएं, महिलाओं के उत्पीड़न के मामले तथा स्थानीय कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं प्रमुख थीं। एसपी ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों और अन्य अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहेगी और प्राथमिकता के आधार पर 48 घंटों के अंदर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एक शिकायतकर्ता ने कहा, "एसपी साहब की यह पहल सराहनीय है, इससे आम जनता को न्याय मिलने का विश्वास बढ़ा है।

"पुलिस अधीक्षक की यह पहल जिले में पुलिस-जनता के बीच मजबूत पुल का निर्माण कर रही है। एसपी ने न केवल शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया, बल्कि भविष्य में ऐसी सुनवाइयों को नियमित बनाने का ऐलान भी किया। उनका यह प्रयास महिलाओं की सुरक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। एसपी की सक्रियता से पीलीभीत पुलिस नई ऊंचाइयों को छू रही है, जो जिले के समग्र विकास के लिए प्रेरणादायक है।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियां अंतिम चरण में, डीएम-एसपी ने कंट्रोल रूम का लिया जायजा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण व नकल विहीन संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो रही बोर्ड परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा नियंत्रण कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा व्यवस्था के तहत स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। यह कंट्रोल रूम ड्रमण्ड राजकीय इंटर कॉलेज तथा सनातन धर्म बांके बिहारी रामा इंटर कॉलेज में बनाए गए हैं, जहां से जिले के सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी।

जनपद में कुल 69 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर लगभग 43 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ कराई जाए। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई और समयबद्ध संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और नकल या अव्यवस्था फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीलीभीत के गहलुइया में अज्ञात वाहन की टक्कर से गौमाता की मौत, बजरंग दल ने संभाला मोर्चा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिले के गहलुइया क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गौमाता की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के कई घंटे बीत जाने के बावजूद प्रशासनिक मदद न मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आगे आकर ससम्मान गौमाता का अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार, गहलुइया रोड पर बुधवार को अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार से गौमाता को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कोई अधिकारी या टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस लापरवाही से आक्रोशित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने गौमाता के शव को साफ किया, पूजा-अर्चना कर ससम्मान गंगा स्नान कराया और विधिवत अंतिम संस्कार किया।

बजरंग दल के जिला संयोजक ने बताया कि गौमाता की रक्षा हमारा धार्मिक कर्तव्य है। प्रशासन की उदासीनता चिंताजनक है, हम इस मामले में उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से गौशालाओं की मजबूती और सड़क पर आवारा पशुओं के लिए तत्काल इंतजाम की मांग की है।

पीलीभीत में पूर्व अधिकारी के घर 60 लाख की चोरी: चोरों ने जेवर, नकदी लूटे, डीवीआर भी उड़ा ले गए!

(जीएनएस)।

पीलीभीत,सुनगढ़ी थाना क्षेत्र की वल्लभनगर कॉलोनी में एक पूर्व प्रशासनिक अधिकारी के घर चोरी की बड़ी वारदात हुई है। चोरों ने बंद मकान से करीब 60 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और एक लाख रुपये नकद चुरा लिए। पहचान छिपाने के लिए चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

यह घटना वल्लभनगर निवासी हरीश कुमार के घर में हुई। उनका परिवार छोटे भाई चिरंजीव की पत्नी द्वारा बरेली के एक अस्पताल में बेटी को जन्म देने की खुशी में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर बरेली गया हुआ था। मंगलवार सुबह पड़ोसियों ने घर का मुख्य गेट और जीने का दरवाजा खुला देखा। उन्होंने तत्काल गृहस्वामी हरीश कुमार को फोन पर इसकी सूचना दी।

परिवार के बरेली से लौटने पर उन्होंने देखा कि अलमारियों के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरों ने एक किलो से अधिक सोने-चांदी के गहने चुराए हैं, जिनकी कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, घर में रखे एक लाख रुपये नकद भी गायब थे। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित हरीश कुमार के पिता स्वर्गीय गजेंद्र पाल कलेक्ट्रेट के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी थे, जिसके कारण बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट कर्मचारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे। सुनगढ़ी थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने पुलिस बल और फील्ड यूनिट के साथ घटनास्थल का मुआयना किया। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने वहां से साक्ष्य जुटाए हैं।

थानाध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया, "यह मामला बेहद गंभीर है। पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।"

जनशिकायत निस्तारण में पीलीभीत पुलिस का उत्तर प्रदेश मे प्रथम स्थान

थाना अमरिया की टीम को किया गया सम्मानित

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत पुलिस ने जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस कार्यालय/आईजीआरएस पोर्टल पर जनवरी माह की मासिक रैंकिंग में यह उपलब्धि हासिल की गई।इस सफलता में थाना अमरिया का योगदान सराहनीय रहा। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने थानाध्यक्ष अमित सिंह, आईजीआरएस प्रभारी दीपक कुमार एवं उनकी टीम को पुलिस कार्यालय/आईजीआरएस तथा सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।पीलीभीत पुलिस के ये निरंतर प्रयास जनता की शिकायतों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं, जो प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ की अध्यक्षता मे मसौली थाना आगामी रमजान और होली त्यौहार को लेकर बैठक हुई संपन्न

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ की अध्यक्षता मे मंगलवार को आगामी रमजान और होली त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक सम्पन हुई।

बैठक मे क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं, ग्राम प्रधानों से रूबरू होते हुए क्षेत्राधिकारी गरिमा पंथ ने कहा कि त्योहार भाईचारे का प्रतीक हैं तथा आपसी भाईचारे का संदेश देता है। इससे लोगों को सीख लेनी चहिए। रंग-गुलाल उड़ाते समय बवाल न करें ताकि होली का पर्व सुखमय तरीके से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि रमजान एव होली त्यौहार एक साथ पड़ रहे हैं जिसमे आप सभी लोगो को जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देना है आप सभी लोग मिलजुलकर अपना अपना त्यौहार मनाये और किसी भी व्यक्ति को कानून व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा पुराने स्थानों पर ही होलिका दहन किया जाएगा तथा कोई नई परम्परा नहीं डाली जायेगी।

प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें उन्होंने रमजान के दौरान नमाज के समय व होली के जुलूसों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये उन्होंने डीजे की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने और जबरन रंग डालने या हुड़दंग जैसी घटनाओं को प्रतिबंधित करने पर जोर दिया। प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि होली मे रंग खेलते समय किसी तरह का कोई व्यावधान न उत्पन हो उसके लिए गांव के जिम्मेदार लोगो को वालिंटियर के रूप मे बना दे जो सभी तरह की नजर रखेंगे। उन्होंने पीस कमेटी के सदस्यों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए शांति और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

बैठक मे अतरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा, चौकी सहादतगंज संतोष त्रिपाठी, कस्बा प्रभारी अभय गुप्ता, त्रिलोकपुर संजय यादव, उपनिरीक्षक राशिद खान, भाजपा नेता शशि गुप्ता, ग्राम प्रधान विनोद वर्मा, गुड्डू मौर्य, रामसिंह यादव, मित्तल कुमार, दिलीप कुमार दीक्षित, पूर्व प्रधान रमेश यादव, हारिश शौकत, अबरार बीडीसी, प्रेमनंद वर्मा, धीरज कुमार सुरसंडा, स तमाम सम्भ्रान्त व्यक्ति मौजूद रहे।

पत्नी से मिलने बुलाकार दामाद की हत्या की: बाप-बेटों ने सीने में मारे चाकू, 2 साल पहले की थी लव मैरिज

(जीएनएस)।

पीलीभीत,लखनऊ में ससुराल आए दामाद की हत्या कर दी गई। विदाई के बहाने बुलाकर ससुर और सालों ने बेरहमी से पिटाई की। पेट और सीने में चाकू घोंप दिया। उपचार के उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उसके साथ आए भाई को भी चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

घटना 16 फरवरी, सोमवार देर रात काकोरी थाना क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में हुई। मृतक की पहचान रामसागर (24) के रूप में हुई। वह पीलीभीत जिले के माधव टांडा का रहने वाला था। उसने लालता खेड़ा गांव की रहने वाली कामिनी से 2 साल लव मैरिज की थी। इसका कामिनी के मायके वाले विरोध कर रहे थे।

पीलीभीत जिले के माधव टांडा के रहने वाले रामसागर ने दिसंबर 2024 में कामिनी पुत्री भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी से लव मैरिज की थी। दोनों ने घर से भागकर पहले पीलीभीत के एक मंदिर में शादी की थी। बाद में कोर्ट मैरिज कर ली थी।

इसके बाद दोनों पीलीभीत में रहने लगे थे। कुछ दिन बाद कामिनी के मायके वाले पीलीभीत गए। रामसागर और कामिनी की रीति-रिवाज से शादी कराने की बात की। इसके बाद कामिनी को लालताखेड़ा गांव ले गए।

मृतक के भाई राहुल गौतम ने बताया- कामिनी को लालताखेड़ा लाने के बाद उसके मायके वालों ने उसे रामसागर को भूल जाने को कहा। उसे रामसागर से मिलने नहीं दिया। हालांकि, चोरी-छिपे कामिनी रामसागर से बात करती रही। इस बीच उसके मायके वालों ने उसकी दूसरी जगह शादी तय करनी चाही। कामिनी ने फोन करके इसकी जानकारी रामसागर को दी।

विदाई करने के बहाने बुलाया

राहुल गौतम ने बताया- 16 फरवरी को कामिनी के पिता भीमा, भाई सुमित और अमित ने विदाई के बहाने रामसागर को लालताखेड़ा बुलाया। रामसागर मेरे साथ लालताखेड़ा आए। भीमा, सुमित, अमित और पंकज (कामिनी का मौसेरा भाई) निवासी ग्राम लोनहा थाना बंथरा बात करने के बहाने रामसागर को गांव के बाहर ले गए।

उनसे कामिनी से रिश्ता खत्म करने को कहा। इस दौरान विवाद हो गया। इसके बाद भीमा, सुमित, अमित और पंकज ने रामसागर की पिटाई शुरू कर दी।

पेट और सीने में चाकू घोंपा

राहुल गौतम ने बताया- भीमा, सुमित, अमित और पंकज ने रामसागर को बेरहमी से पीटा। इस दौरान सुमित ने रामसागर के पेट और सीने में चाकू घोंप दिया। मैंने बीच-बचाव किया, तो मुझे भी पीटा। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग और राहगीर आ गए।

इस पर हमलावर फरार हो गए। रामसागर को एम्बुलेंस बुलाकर सरोजनीनगर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि शिकायत के आधार पर भीमा, सुमित, अमित और पंकज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है।

दूसरों को स्वस्थ रखने वाला आरोग्य केंद्र हुआ अस्वस्थ

(एजेंसी)।

उतरौला (बलरामपुर) तहसील क्षेत्र के विकास खण्ड ग्राम चन्दापुर में बने आरोग्य मंदिर अक्सर बंद रहता है। इसके बने पूराने भवन जीर्ण-शीर्ण हो जाने से खण्डहर होते जा रहे हैं। पुरानी भवन के दरवाजे खिड़कियां नदारद हो गए है विकास खण्ड श्रीदत्तगंज क्षेत्र के ग्राम चन्दापुर में स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीण महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, बच्चों के टीकाकरण व संचारी रोगो के नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण दसों वर्ष पहले बनवाया था लेकिन विभाग की देखरेख के अभाव में भवन दिन-प्रतिदिन जर्जर होता गया। उसके निर्माण मानक के विपरीत होने से बरसात में छतों दरार हो जाने से छतों का पानी कमरों में गिरता है। इसके दरवाजे खिड़कियां गायब हो गए हैं।

तीन कमरों के बने इस भवन में विभागीय कर्मचारियों के न बैठने से भवन खण्डहर होता गया। विभाग ने इसके जर्जरता को देखते हुए एक कमरे का आयुष्मान भवन बंनवा दिया लेकिन उसमें तैनात एएनएम ताला लगाकर गायब रहती है। आरोग्य भवन में ताला बंद रहने से क्षेत्रीय ग्रामीण, महिलाएं व गर्भवती महिलाएं अपना इलाज कराने श्रीदत्तगंज अथवा उतरौला या जिला मुख्यालय को जाना पड़ता है। बच्चों के टीकाकरण के लिए शहरों को जाना पड़ता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन में बेसिक सुविधाएं भी स्वास्थ्य विभाग ने उपलब्ध नहीं करा रखा है। स्वास्थ्य की अकर्मण्यता से क्षेत्र के बीमार ग्रामीण शहरों के सरकारी अस्पताल व निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।

भारतीय किसान यूनियन भानु संगठन का बढ़ रहा जनाधार

(एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन भानू, व्यापार प्रकोष्ठ मंडल कार्यालय बाराबंकी पर सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमे प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह राठौड़, मंडल अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ अयोध्या सिद्धान्त सिंह व जिलाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ शुभम वर्मा की अध्यक्षता में राहुल यादव जी को जिला उपाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ ,

चंदन वर्मा जी को जिला महासचिव व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , दुष्यंत यादव जी को नगर अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , सिद्धार्थ वर्मा जी को नगर सचिव व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी , विमल सैनी जी तहसील अध्यक्ष फतेपुर व्यापार प्रकोष्ठ,

रवींद्र यादव जी को नगर मंत्री व्यापार प्रकोष्ठ बाराबंकी के पद पर मनोनीत किया और संगठन ने विश्वास जताया की इनके आने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी।

इस अवसर पर संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुड़िया हुलास में भंडारे का आयोजन, जनप्रतिनिधियों ने लिया प्रसाद

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। तहसील क्षेत्र के ग्राम मुड़िया हुलास में धार्मिक भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सपा नेत्री दिव्या गंगवार तथा समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल ने अपने सहयोगियों के साथ पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। वहीं रूपलाल माहतिया सहित अन्य ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के उपरांत सभी ने स्वर्गीय हरीश गंगवार के आवास पर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी तथा कुशलक्षेम जाना। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

भंडारे में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और सामाजिक एकता व सद्भाव का संदेश दिया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

लखनऊ में पॉलिटेक्निक चौराहे पर बनेगा अंडरपास, जानिये किन प्रस्तावों को मिली मंजूरी?

लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विधायक ओपी श्रीवास्तव ने कहा कि अंडरपास बनने से ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी.

लखनऊ : (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में विधायकों की सिफारिश पर 100 बड़े प्रोजेक्ट पास हो गए हैं. ये प्रोजेक्ट राज्य के विकास को नई गति देने वाले हैं. इनमें सड़कें, पुल, मेडिकल कॉलेज, बांध और कई अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं. विधानसभा के बजट सदन में विधायकों ने अपनी विधानसभा क्षेत्रों की जरूरतों को रखा और सदन ने इन्हें मंजूरी दे दी.

इस दौरान लखनऊ में एक खास प्रोजेक्ट की मंजूरी ने सबका ध्यान खींचा है. लखनऊ के पॉलीटेक्निक चौराहे पर अंडरपास बनाया जाएगा. यह अंडरपास एचएएल के सामने से पॉलीटेक्निक चौराहा पार कर वेब सिनेमा तक जाएगा. लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक ओपी श्रीवास्तव ने बताया कि यहां रोजाना भारी जाम लगता है. अंडरपास बनने से ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और लोगों का समय बचेगा. जिसे सदन ने पास कर

दिया गया है. उन्होंने बताया कि लम्बे समय से इस प्रोजेक्ट की मांग की जा रही थी.

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि सभी प्रोजेक्ट सदन में चर्चा के बाद पास हुए. विधायकों की ये सिफारिशें जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों पर आधारित हैं. सरकार अब इन प्रोजेक्ट्स को जल्द अमल में लाने की तैयारी कर रही है. इससे रोजगार बढ़ेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तथा यातायात सुगम बनेगा. विधानसभा अध्यक्ष और सरकार ने विधायकों की इन सकारात्मक सिफारिशों की सराहना की है. यह कदम प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण है.

विधायकों के कुछ प्रमुख प्रस्ताव... : अभय सिंह ने जनपद अयोध्या में स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की सिफारिश की. यह प्रस्ताव सदन ने मंजूर किया. मनोज कुमार पाण्डेय ने विधानसभा क्षेत्र ऊंचाहार में पॉलीटेक्निक या इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की मांग रखी.

इसके अलावा विधायक कमाल अख्तर ने जनपद मुरादाबाद में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रस्ताव दिया. आजमगढ़ से सपा विधायक डॉ. संग्राम यादव ने राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की बात कही. सदन ने यह प्रस्ताव सरकार को प्रेषित किया. विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने विधानसभा क्षेत्र-30, बिलारी में राजकीय गर्ल्स डिग्री कॉलेज खोलने की सिफारिश की.

विधायक पंकज मलिक ने जनपद मुजफ्फरनगर में पीजीआई के तर्ज पर बड़ा अस्पताल बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूर किया. स्वामी ओमवेश ने जनपद बिजनौर के शहर चांदपुर में बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर दोनों रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग की, जो

लखनऊ-मैलानी-बरेली मार्ग पर होली स्पेशल ट्रेनें नहीं चलीं

लखीमपुर खीरी , (जीएनएस)। मैलानी। लखनऊ-मैलानी-पीलीभीत-बरेली मार्ग पर एक भी होली स्पेशल ट्रेन संचालित न करने से दूरदराज इलाकों में नौकरी करने व पढ़ाई करने वालों को होली पर घर आने में पहले की तरह ही दिक्कतें झेलनी पड़ेगी। घर आने के लिए लोगों को धक्के खाने पड़ेंगे।

आमान परिवर्तन के बाद लखनऊ से सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, बरेली होते हुए दिल्ली, पंजाब, राजस्थान का नया रेलमार्ग खुल गया है, लेकिन ट्रेनें सात साल बाद भी नहीं चली। यहां तक कि लखनऊ से बरेली तक एक भी ट्रेन नहीं है। इज्जतनगर से मैलानी, डालीगंज होते हुए गोरखपुर तक 24 घंटे में मात्र एक एक्सप्रेस है। रेलवे होली पर गोरखपुर से सीतापुर, शाहजहांपुर होते हुए तमाम स्पेशल ट्रेनें चला रहा है, लेकिन सीतापुर से मैलानी, पीलीभीत, बरेली एक भी स्पेशल ट्रेन नहीं चलाई है।

ऐसे में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, देहरादून, गुजरात, राजस्थान आदि इलाकों में कमाने गए जिले के लोगों को होली पर घर आने व वापस जाने के लिए दिक्कतें उठानी होंगी।

लखनऊ में दंपति को 12 दिनों तक रखा डिजिटल अरेस्ट, 90 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

ठग ने खुद को एटीएस इंस्पेक्टर बनकर दंपति को फंसाया. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट का फर्जी वारंट भेजकर डिजिटल अरेस्ट किया.

लखनऊ : (जीएनएस)। जालसाजों ने एटीएस अधिकारी बनकर एक बुजुर्ग दंपति को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा. उनसे 90 लाख रुपये वसूल लिए. ठगों ने आलमबाग निवासी दंपति को आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर मामलों में फंसने का डर दिखाया और सुप्रीम कोर्ट का फर्जी वारंट भेजकर घर के भीतर ही कैद रहने पर मजबूर कर दिया.

इस हाई-टेक डकैती का खुलासा करते हुए लखनऊ पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में पता चला है कि यह गिरोह महज तीन प्रतिशत कमीशन के लालच में साइबर अपराधियों को बैंक खाते और डेबिट कार्ड उपलब्ध कराता था. पकड़े गए आरोपियों के खातों में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन मिले हैं, जिनके तार देश के कई अन्य राज्यों से भी जुड़े हुए हैं.

आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग का दिखाया डर : डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया, ठगी की शुरूआत 26 जनवरी को हुई. कॉल करने वाले

ने खुद को एटीएस इंस्पेक्टर रंजीत कुमार बताया. दंपति को डराया गया कि उनके नाम पर आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले दर्ज हैं. सिग्नल ऐप डाउनलोड कराकर दंपति को वीडियो कॉल के जरिए 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा.

उन्हें विश्वास दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के जाली आदेश और सीजर मेमो दिखाए गए. गिरफ्तारी से बचने के नाम पर 29 जनवरी से 9 फरवरी के बीच दंपति से 90 लाख रुपये आरटीजीएस के जरिए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए.

3% कमीशन का काला कारोबार : डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया, पुलिस की साइबर टीम ने जांच के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो ठगी के पैसे खपाने के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराते थे. गोरखपुर का रहने वाला मयंक श्रीवास्तव आर्थिक तंगी के चलते गिरोह में शामिल हुआ. इसके खाते में एक ही दिन में 1.06 करोड़ रुपये आए थे. गाजियाबाद का रहने वाला इरशाद 3% कमीशन पर खाते जुटाने और खाताधारकों को फंसाने का काम करता था. मनीष उर्फ आकाश निवासी दिल्ली यह भी कमीशन पर काम करता था और चेकबुक व डेबिट कार्ड अपने पास रखता था.

दिल्ली-नोएडा से जुड़ा नेटवर्क : पूछताछ में पता चला कि इस गिरोह का नेटवर्क दिल्ली और नोएडा के होटलों से संचालित हो रहा था. आरोपी मयंक को दिल्ली के पहाड़गंज स्थित एक होटल में ठहराया गया था और उसका मोबाइल पासवर्ड लेकर करोड़ों का लेन-देन किया गया. गिरोह के मुख्य सरगना जीतू और अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं.

नेशनल पोर्टल पर खुली पोल : डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया, पुलिस ने मुख्य खाते की जांच एनसीसीआरपी पोर्टल पर की, तो पता चला कि इसी गिरोह के खिलाफ तमिलनाडु समेत कई अन्य राज्यों में भी ठगी की शिकायतें दर्ज हैं. अकेले 9 फरवरी को मयंक के खाते में 1.06 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जमा हुई थी.

लखनऊ में स्मार्ट किडीज प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव:बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां, उनके समग्र विकास पर चर्चा हुई

लखनऊ, (जीएनएस)। लखनऊ में स्मार्ट किडीज प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम कानपुर रोड स्थित सेक्टर एच एलडीए कॉलोनी के स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ।

बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे दर्शकों में उत्साह भर गया। इस अवसर पर शिक्षा और बच्चों के समग्र विकास पर विशेष चर्चा की ।

लखनऊ में स्मार्ट किडीज प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

लखनऊ में स्मार्ट किडीज प्ले स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

बच्चों के विकास में माता-पिता की भूमिका

इस मौके पर डॉ. ऊषा पाठक ने बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए विद्यालय स्टाफ की सराहना की और बच्चों को आशीर्वाद दिया। प्रदीप कुमार वर्मा ने भी सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी। डॉ. दिनेश कुमार ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बच्चों के विकास में माता-पिता की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन शिशिर दत्त ने किया। इस मौके पर प्रधानाचार्या संगीता शुक्ला, स्मार्ट टॉडलर के संरक्षक वेद प्रकाश तिवारी, सेंटर हेड अपर्णा शुक्ला सहित स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। वार्षिकोत्सव ने बच्चों को अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया।

ये लोग शामिल हुए

कार्यक्रम में मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ए.पी सेन डिग्री कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. ऊषा पाठक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त एजीएम प्रदीप कुमार वर्मा शामिल थे। सेंटर हेड चंद्रलेखा शुक्ला ने स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों का स्वागत किया।

'हिंदू 3 बच्चे पैदा करें, भारतीय मुसलमान की घर वापसी...' लखनऊ में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को लखनऊ पहुंचे. जहां उन्होंने लखनऊ के निराला नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने समाज को लेकर नसीहत भी दी.

(जीएनएस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (फ्रर) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को लखनऊ में एक बयान दिया है. भागवत ने भारतीय मुसलमानों की घर वापसी और हिंदू समुदाय के लोगों को तीन बच्चे पैदा करने की नसीहत दी है. साथ ही कहा है कि यूजीसी नियम किसी के खिलाफ नहीं है. मोहन भागवत लखनऊ के निराला नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में सामाजिक सद्भाव बैठक में बोल रहे थे. इस दौरान उन्होंने हिंदू समाज को संगठन और सशक्त करने की बात को फिर से दोहराया है. साथ ही कहा कि हमें किसी से खतरा नहीं है, लेकिन हमें सावधान रहने की जरूरत है.

हिंदुओं की घटती जनसंख्या चिंता का विषयः भागवत

उन्होंने कहा कि हिंदुओं की घटती जनसंख्या एक चिंता का विषय है.

साथ ही जबरदस्ती और लालच देकर किए जा रहे धर्मांतरण पर रोक लगाने की बात कही है. उन्होंने कहा कि घर वापसी का काम तेज होना चाहिए. जो लोग हिंदू धर्म में लौटे हैं, उनका ध्यान भी हमें रखना होगा. इसके अलावा उन्होंने घुसपैठ पर भी चिंता जाहिर की.

उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करना होगा. उन्हें रोजगार नहीं देना है. हिंदुओं के कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए. इसके अलावा उन्होंने वैज्ञानिकों का हवाला देते हुए कहा कि जिस समाज में औसतन 3 बच्चे होते हैं, वो समाज भविष्य में समाप्त हो जाता है. यह बात हमारे परिवारों में नव दंपतियों को बताई जानी चाहिए. डॉ. भागवत ने कहा कि विवाह का उद्देश्य सृष्टि आगे चले, यह होना चाहिए, वासना पूर्ति नहीं. इसी भावना से कर्तव्य बोध आता है.

जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिएः मोहन भागवत

इसके अलावा फ्रर चीफ ने यूजीसी कानून को लेकर भी अपनी बात रखी. उन्होंने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि कानून सभी को मानना चाहिए. कानून गलत है, तो बदलाव का उपाय भी है. जातियां झगड़े का कारण नहीं बनना चाहिए. इसके अलावा उन्होंने कहा कि समाज में अपनेपन का भाव होगा, तो इस तरह की समस्या नहीं होगी. जो नीचे गिरे हैं, उन्हें झुककर ऊपर उठाना पड़ेगा. सभी अपने हैं, यह भाव मन में होना चाहिए. साथ ही कहा कि संघर्ष से नहीं, समन्वय से दुनिया आगे बढ़ती है. एक को दबाकर दूसरे को खड़ा करने का भाव नहीं होना चाहिए.

चीन और अमेरिका को लेकर भी चेताया

इसके अलावा मोहन भागवत ने अमेरिका और चीन जैसे देशों को लेकर भी चेताया. कहा कि कुछ लोग हमारी सद्भावना के विरुद्ध योजना बना रहे हैं. हमें सावधान रहना होगा. एक दूसरे के प्रति अविश्वास समाप्त करना होगा. एक दूसरे के दुख दर्द में शामिल होना होगा.

लखनऊ में लटकी नामित सभासदों की सूची, बढ़ रही बेचैनी

(जीएनएस)। मुजफ्फरनगर। नगर निकायों में नामित सभासदों के नामों की घोषणा करीब दो साल से अटकी हुई है। इस देरी के कारण दावेदारों में बेचैनी बढ़ रही है। भारतीय जनता पार्टी में संगठन स्तर पर चल रहे बदलावों के बीच, एक बार फिर नामित सभासदों की सूची को अंतिम रूप दिए जाने की चचाएं तेज हो गई हैं। संभावना जताई जा रही है कि होली के त्योहार के आसपास इन नामों की घोषणा की जा सकती है।

वर्ष 2023 में हुए निकाय चुनाव के बाद से ही नामित सभासदों के नामों पर फैसला नहीं हो सका है। मुजफ्फरनगर और खतौली पालिका में पांच-पांच, जबकि नगर पंचायतों में तीन-तीन सभासद नामित किए जाने हैं। भाजपा की कोर कमेटी ने एक साल पहले ही सूची को अंतिम रूप देकर लखनऊ भेज दिया था, लेकिन इसके बाद से घोषणा अधर में लटकी हुई है।

– दावेदारों में बेचैनी, राजनीतिक सरगर्मी तेज

नामित सभासदों की सूची जारी न होने से भाजपा के भीतर दावेदार बेचैन हैं। वह लगातार पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से संपर्क साधकर अपनी पैरवी करने में लगे हैं। संगठन में चल रहे बदलावों को देखते हुए, यह उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस मामले में कोई निर्णायक कदम उठाया जाएगा। होली का पर्व इस घोषणा के लिए एक संभावित समय सीमा के रूप में देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी बढ़ गई है।

-- हमने लखनऊ भेज दी है सूची : सुधीर सैनी

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी का कहना है कि कोर कमेटी के माध्यम से सूची तैयार कराई गई थी। संगठन की ओर से चयनित नामों की सूची तैयार कर लखनऊ भेज दी गई है। अब लखनऊ से ही यह सूची जारी की जानी है।

-- इन निकायों में नामित होंगे सभासद

मुजफ्फरनगर और खतौली पालिका में पांच-पांच सभासद होंगे। चरथावल, सिसौली, शाहपुर, बुढ़ाना, पुरकाजी, मीरापुर, भोकरहेड़ी और जानसठ में तीन-तीन सभासद नामित होने हैं।

रेलवे ने जारी किया होली स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल, लखनऊ-गोरखपुर और नागपुर से गुजरेंगी ये गाड़ियां

(जीएनएस)। रेलवे ने होली पर यात्रियों की सुविधा के लिए उधना और हैदराबाद के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है।

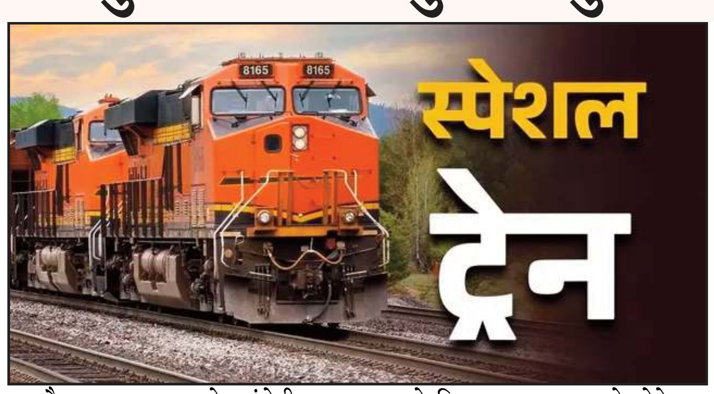

लखनऊ। होली पर यात्रियों की राह आसान करने के लिए रेलवे उधना और हैदराबाद के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इन ट्रेनों के संचालन के आदेश रेलवे ने मंगलवार को जारी कर दिए। 05559 स्पेशल सात मार्च को रक्सौल से सुबह 5:30 बजे चलकर लखनऊ से दोपहर तीन बजे होते हुए उधना अगले दिन दोपहर 12:35 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 05560 स्पेशल आठ मार्च को उधना से दोपहर 3:35 बजे प्रस्थान करके अगले दिन लखनऊ से दोपहर 2: 30 बजे छूटकर रक्सौल रात 12:15 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन में जनरल की चार, स्लीपर की सात, एसी थर्ड की छह, एसी सेकेंड की दो और एसी प्रथम सह द्वितीय की एक बोगी होगी।

इसी तरह 07075 हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल छह से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को हैदराबाद से रात नौ बजे छूटेगी। नागपुर से यह ट्रेन अगले दिन सुबह 6:30 बजे होते हुए शनिवार रात 12:58 बजे ऐशबाग, 1:07 बजे लखनऊ सिटी, 1:26 बजे गोमतीनगर से होते हुए गोरखपुर रविवार सुबह 6:30 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल आठ से 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को गोरखपुर से सुबह 8:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गोमतीनगर से दोपहर 12:52 बजे, लखनऊ सिटी से 1:15 बजे, ऐशबाग से 1:40 बजे होते हुए नागपुर से सोमवार सुबह 6:45 बजे होते हुए हैदराबाद शाम 5:25 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में एसी सेकेंड की चार, एसी थर्ड की आठ, स्लीपर की छह और जनरल श्रेणी की दो बोगियां होंगी।

फेरों को विस्तार मिला

रेलवे ने 04652/04651 अमृतसर-जयनगर हमसफर क्लोन होली स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि को विस्तार दे दिया है। यह ट्रेन अब अमृतसर से एक से 29 मार्च तक 13 फेरों के लिए और जयनगर से एक से 31 मार्च तक 14 फेरों के लिये पूर्व निर्धारित दिन, समय, ठहराव के अनुसार संचालित होगी।

डॉ. अरविंद राव का लखनऊ में सम्मान:स्वच्छता, पर्यावरण और शहरी नवाचार में योगदान के लिए सम्मानित

(जीएनएस)। लखनऊ के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार राव को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और शहरी नवाचार में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान नागरिक संगठन ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति ने प्रदान किया। महासमिति के पदाधिकारियों ने उन्हें अभिनंदन पत्र सौंपा और उनके कार्यों को शहर के विकास में महत्वपूर्ण बताया।

डॉ. राव के कार्यकाल में लखनऊ नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में कई नवाचार किए। शिवरी कूड़ा निस्तारण प्लांट और सी एंड डी प्लांट के माध्यम से लाखों मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण किया गया। इससे शहर को वर्षों पुरानी कचरा समस्या से बड़ी राहत मिली और स्वच्छता में नई पहचान बनी।

लखनऊ के मॉडल से सीखने की सलाह दी

शहर की हरियाली और सौंदर्यीकरण के प्रयासों का प्रभाव प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2026 में भी स्पष्ट दिखा। नगर निगम ने इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पार्कों के रखरखाव में प्रथम और रूफ टॉप गार्डनिंग मॉडल के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। ये पुरस्कार आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किए गए थे।

डॉ. राव की कार्यशैली की सराहना प्रदेश के बाहर भी हुई। बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति ने शिवरी प्लांट के कचरा निस्तारण मॉडल की प्रशंसा की और बृहन्मुंबई महानगर निगम को लखनऊ के मॉडल से सीखने की सलाह दी।